CORPORATE OFFICE
Delhi Office
706 Ground Floor Dr. Mukherjee Nagar Near Batra Cinema Delhi – 110009
Noida Office
Basement C-32 Noida Sector-2 Uttar Pradesh 201301

CURRENT AFFAIRS

Yojna IAS
yojnaias.com
योजना है तो सफलता है

website : www.yojnaias.com
Contact No. : +91 8595390705

दिनांक: 7 अक्टूबर 2023

केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक , 2023

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक , 2023" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के शासन अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:

- "केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2023"

मुख्य परीक्षा प्रश्न:

- *सामान्य अध्ययन-02: शासन*

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 में संशोधन करके, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तेलंगाना में **केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय** की स्थापना के लिए अपनी मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिन्दु-

- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2023 को पेश करने की मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में और संशोधन करना है। इस संशोधन का उद्देश्य **मुलुगु जिले में सम्मक्का सरक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय** की स्थापना को सुविधाजनक बनाना है। यह कदम आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की तेरहवीं अनुसूची में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार है।

नए विश्वविद्यालय के उद्देश्य:

सम्मक्का सरक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के प्राथमिक उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- राज्य में उच्च शिक्षा की उपलब्धता को व्यापक बनाना।
- उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार।
- उच्च शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देना।
- आदिवासी कला, संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों का उन्नत ज्ञान।
- शैक्षिक और अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करके राज्य में जनजातीय आबादी को लाभान्वित करना।

केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022:

अगस्त, 2022 को लोकसभा में पेश किए गए केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक , 2022 में कई प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं:

- **गति शक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना:** प्रस्तावित कानून के अनुसार, वडोदरा में राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान, जो वर्तमान में एक डीम्ड विश्वविद्यालय है, को गति शक्ति विश्वविद्यालय में बदल दिया जाएगा, जो एक केंद्रीय विश्वविद्यालय बन जाएगा। रेल मंत्रालय के माध्यम से, केंद्र सरकार विश्वविद्यालय को समर्थन और वित्त प्रदान करेगी।

- **शिक्षा का दायरा:** गति शक्ति विश्वविद्यालय परिवहन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन से संबंधित विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अनुसंधान और कौशल विकास प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके अतिरिक्त, यदि आवश्यक हो तो यह भारत और विदेशों दोनों में केंद्र स्थापित कर सकता है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना परिवहन क्षेत्र में प्रशिक्षित प्रतिभा की आवश्यकता को संबोधित करती है।
- **नए कुलपति की नियुक्ति:** राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान के मौजूदा कुलपति अधिनियम की अधिसूचना की तारीख से छह महीने तक या गति शक्ति विश्वविद्यालय के लिए एक नए कुलपति की नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, पद पर रहेंगे।

स्रोत: इंडियन एक्स्प्रेस

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01 केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक , 2023 के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) इस विधेयक का उद्देश्य वडोदरा में प्रौद्योगिकी और परिवहन के लिए एक नए केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना करना है।
(b) इस विधेयक में तेलंगाना राज्य में जनजातीय विश्वविद्यालय सृजित करने के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में और संशोधन करने का प्रस्ताव है।
(c) विधेयक में राज्य विश्वविद्यालयों को पूरे भारत में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में परिवतत करने का प्रस्ताव है।
(d) इस विश्वविद्यालय की स्थापना परिवहन क्षेत्र में प्रशिक्षित प्रतिभा की आवश्यकता को संबोधित नहीं करती है।

उत्तर: B

प्रश्न-02 केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक , 2022 का मुख्य उद्देश्य क्या है , जिसे लोकसभा में पेश किया गया था?

(a) कृषि अनुसंधान के लिए समपत एक नए केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना करना।
(b) राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान को केन्द्रीय विश्वविद्यालय में परिवतत करना।
(c) मौजूदा केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के लिए निधियन में वृद्धि करना।
(d) पूरे भारत में राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थापना को बढ़ावा देना

उत्तर: B

मुख्य परीक्षा प्रश्न

प्रश्न-03 तेजी से विकसित हो रही दुनिया में , समकालीन चुनौतियों का सामना करने में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। चर्चा कीजिए?

Rajiv Pandey

चक्रीय प्रवासन (CIRCULAR MIGRATION)

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "चक्रीय प्रवासन" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "सामाजिक मुद्दे" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- **चक्रीय प्रवासन क्या है?**

मुख्य परीक्षा के लिए:

- **सामान्य अध्ययन: 01-मानव भूगोल**

- **सामान्य अध्ययन-03: अर्थव्यवस्था**

सुर्खियों में क्यों?

- **चक्रीय प्रवासन (CIRCULAR MIGRATION)** की अवधारणा मानव गतिशीलता पर चर्चा में प्रमुखता प्राप्त कर रही है, विशेष रूप से भारत के आंतरिक प्रवासन पैटर्न के संदर्भ में।

चक्रीय प्रवासन की परिभाषा:

- **सर्कुलर माइग्रेशन अर्थात् चक्रीय प्रवासन** स्थानांतरण का एक आवर्ती पैटर्न है जिसके तहत व्यक्ति रोज़गार के अवसरों की उपलब्धता के आधार पर अपने मूल देश से गंतव्य देश के लिये प्रवास करते हैं।
- चक्रीय प्रवासन में मौसमी या आर्थिक कारकों के कारण अक्सर मूल और गंतव्य के बीच बार-बार, क्षणिक गतिविधियां शामिल होती हैं।

परिपत्र प्रवासन के प्रभाव:

आर्थिक प्रभाव:

- **सकारात्मक आर्थिक योगदान:** मूल और गंतव्य दोनों क्षेत्रों की अर्थव्यवस्थाओं को चक्रीय प्रवास से लाभ हो सकता है। प्रवासी अक्सर अपने गृह समुदायों को प्रेषण वापस भेजते हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा दे सकता है और उनके परिवारों के लिए जीवन स्तर में सुधार कर सकता है।
- **श्रम बाजार लचीलापन:** गंतव्य क्षेत्रों में, चक्रीय प्रवासन कम कुशल, श्रम-गहन नौकरी रिक्तियों को भरने में मदद कर सकते हैं, आर्थिक विकास और श्रम अंतराल में योगदान दे सकते हैं।
- **आर्थिक चक्र:** चक्रीय प्रवासन प्रकृति में चक्रीय है, श्रम की मांग के साथ घटता और बढ़ता रहता है, जो एक लचीला कार्यबल समाधान प्रदान करता है।

सामाजिक प्रभाव:

- **सामुदायिक विकास:** चक्रीय प्रवासन से प्रेषण उनके गृह समुदायों में बुनियादी ढांचे और शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार कर सकता है।
- **सांस्कृतिक आदान–प्रदान:** चक्रीय प्रवासन सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विविधता को बढ़ावा देता है क्योंकि विविध पृष्ठभूमि के व्यक्ति मूल और गंतव्य क्षेत्रों में एक दूसरे से जुड़ाव रखते हैं।
- **परिवारों के लिए चुनौतियां:** चक्रीय प्रवास के कारण परिवार के सदस्य एक-दूसरे से अलग हो सकते हैं, जिससे सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर पारिवारिक संबंधों को बनाए रखना मुश्किल हो सकता है।

श्रम अधिकार और कल्याण:

- **शोषण और अनिश्चितता:** सर्कुलर प्रवासियों को कभी-कभी शोषण का शिकार होने और अनिश्चित परिस्थितियों में काम करने का खतरा होता है, खासकर मेजबान देशों में जहां उन्हें समान कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती है।
- **सेवाओं तक पहुंच:** सर्कुलर प्रवासियों के पास सामाजिक सेवाओं और स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुंच हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य संबंधी असमानताएं हो सकती हैं।

भारत के भीतर चक्रीय प्रवासन:

- भारत में, आंतरिक चक्रीय प्रवासन में देश के भीतर लोगों की आवाजाही शामिल है, मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी केंद्रों में, रोजगार के अवसरों से प्रेरित। इस घटना के विशिष्ट निहितार्थ हैं:

भारत में आर्थिक प्रभाव:

- **रोजगार में वृद्धि:** चक्रीय प्रवासन के परिणामस्वरूप रोजगार के अवसरों में भारी वृद्धि हुई है, खासकर विनिर्माण, निर्माण और सेवा उद्योगों में।
- **वेतन अंतराल:** चक्रीय प्रवासन ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में अधिक पैसा कमाते हैं, जो प्रेषण के माध्यम से घरेलू कल्याण को बढ़ावा देता है।

भारत में चक्रीय प्रवासन में चुनौतियां:

- **अनिश्चित कार्य:** सर्कुलर प्रवासी अक्सर मौसमी या अनियमित नौकरियां लेते हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति अस्थिर हो जाती है।
- **शोषण**: बिचौलियों और भाषा बाधाओं पर निर्भरता के परिणामस्वरूप शोषण और असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियाँ हो सकती हैं।
- **शहरी बुनियादी ढांचे का तनाव:** शहरी क्षेत्रों में भीड़ सर्कुलर प्रवासी बुनियादी ढांचे और सेवाओं को दबाव डाल सकता है।

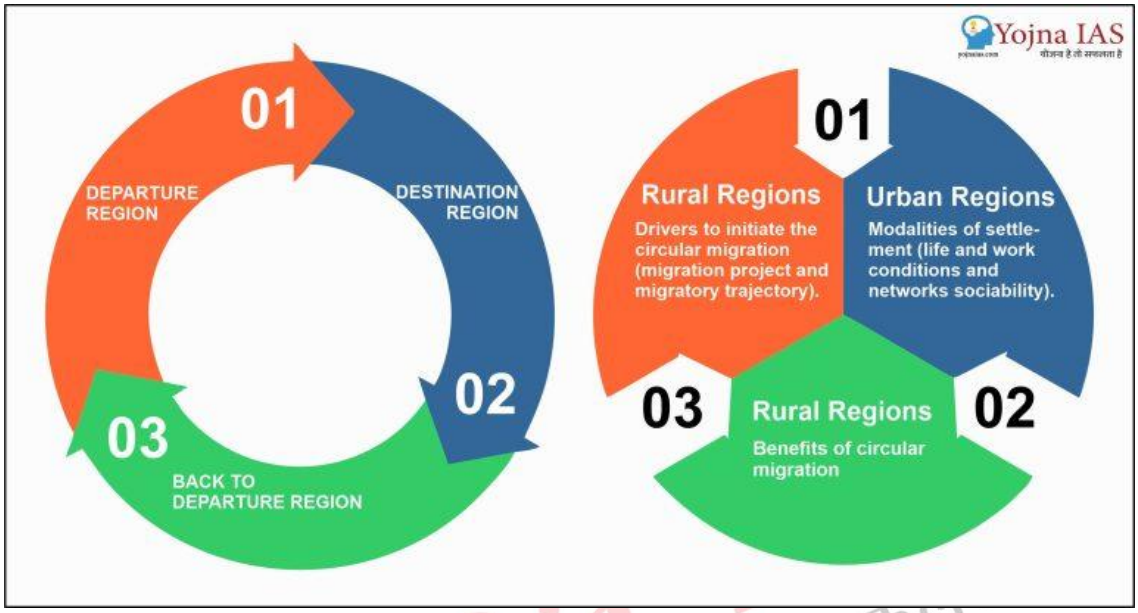

आगे का रास्ता:

- **नीति गत सुधार:** शोषण को रोकने के लिए श्रम कानूनों और सुरक्षा को लागू करें और सुनिश्चित करें कि **चक्रीय प्रवासन** के साथ उचित व्यवहार किया जाए।
- **कौशल विकास:** कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश से **चक्रीय प्रवासन** की रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी और नौकरी बाजार पर उनकी भेद्यता कम होगी।
- **बुनियादी ढांचे का विकास: चक्रीय प्रवासन** की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए शहरी बुनियादी ढाँचे को उन्नत करें।
- **परिवार सहायता:** सर्कुलर प्रवासन से प्रभावित परिवारों के लिए परामर्श और सामाजिक सेवाओं जैसी सहायता प्रणालियाँ बनाएँ।
- **डेटा संग्रह और अनुसंधान:** नीति के बारे में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में मदद करने के लिए सर्कुलर माइग्रेशन की गतिशीलता और पैटर्न की अपनी समझ में सुधार करें।
- **अंतर-राज्य सहयोग: चक्रीय प्रवासन** के अधिकारों और कल्याण की गारंटी के लिए मूल और गंतव्य राज्यों के बीच अंतर-राज्य सहयोग को प्रोत्साहित करें।
- **सार्वजनिक जागरूकता: चक्रीय प्रवासन** और मेज़बान समुदायों दोनों के अधिकारों, दायित्वों और योगदान के बारे में सार्वजनिक समझ विकसित किया जाना चाहिए।

मानव गतिशीलता के इस गतिशील रूप से जुड़े सामाजिक और कल्याणकारी मुद्दों को संबोधित करते हुए, चक्रीय प्रवासन का प्रभावी प्रबंधन इसकी आर्थिक क्षमता का उपयोग कर सकता है।

स्त्रोत: सर्कुलर माइग्रेशन: – द हिंदू

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. नीचे दिए गए कथनों में से कौन सा चक्रीय प्रवासन की सही व्याख्या करता है?

1. शब्द चक्रीय प्रवासन का तात्पर्य प्रवासी पक्षियों की एक स्थान से दूसरे स्थान तक गोलाकार उड़ान से है।

2. यह एक प्रकार का स्थायी स्थानांतरण है जिसमें लोग या समूह अपने मूल स्थान से अपने गंतव्य तक एक यात्रा करते हैं और फिर स्थायी रूप से वहीं रह जाते हैं।
3. यह विभिन्न देशों या क्षेत्रों में आंदोलन के एक पैटर्न की ओर इशारा करता है जिसमें एक गोलाकार में प्रवास करने वाले लोग शामिल होते हैं।
4. चक्रीय प्रवासन में मौसमी या आर्थिक कारकों के कारण अक्सर मूल और गंतव्य के बीच बार-बार, क्षणिक गतिविधियां शामिल होती हैं।

उत्तर: (d)

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-02. भारत के आंतरिक प्रवास पैटर्न के संदर्भ में चक्रीय प्रवास के संदर्भ में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए?

प्रश्न-03. भारत के चक्रीय प्रवासन की समस्याओं के समाधान और सर्कुलर प्रवासियों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक नीतिगत बदलावों और कदमों के बारे में चर्चा कीजिए?

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com